NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th
Subject : हिन्दी
Chapter : 12
Chapter Name : संसार पुस्तक है

Q1 लेखक ने 'प्रकृति के अक्षर' किन्हें कहा है?

Answer. लेखक ने पेड़-पौधों को, पत्थरों को, नदियों को, जंगलों को, हड्डियों को,पशु पक्षियों को, प्राकृतिक चीजों को प्रकृति के अक्षर कहा है।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अध्याय से लिखिए।

Q2 लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

Answer. लाखों-करोड़ों वर्ष पूर्व हमारी धरती बहुत गर्म थी। हमारी धरती का तापमान बहुत ज्यादा था जिस कारण इस पर कोई भी जीव जीवित नहीं रह सकता था।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अध्याय से लिखिए।

Q3 दुनिया का पुराना हाल किन चीज़ों से जाना जाता है? कुछ चीज़ों के नाम लिखो।

Answer. दुनिया का पुराना हाल प्रकृति के कुछ उदाहरण से जैसे कि, पहाड़, समुद्र,नदियाँ, जंगल के जानवरों की पुरानी हड्डियों, पत्थर के टुकड़ों से जाना जाता है।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अध्याय से लिखिए।

Q4 गोल, चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है?
Answer. वह बताता है कि एक वक्त था जब वो भी सिर्फ एक पत्थर का टुकड़ा था। पर एक पानी का सैलाब आया और उसे उठाकर घाटी तक के गया। वहाँ से एक पहाड़ी नाले ने धकेलकर उसे एक छोटी से नदी में ले गया वहाँ से बड़े नदी में। इसी बीच लुढकते घिसते टकरते ये गोल और चिकना हो गया।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अध्याय से लिखिए।

Q5गोल, चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो क्या होता? विस्तार से उत्तर लिखो।

Answer. नाले से लेकर नदी तक के सफर में पत्थर लगातार घिसने के कारण छोटा होते-होते अंत में रेत का एक कण बन जाता और समुद्र के किनारे पहुँच कर अपने जैसे ही रेत के अन्य कणों में मिल जाता। जहाँ नदी के किनारे एक सुंदर बालू का कण बन जाता जिस पर छोटे-छोटे बच्चे खेलते कूदते और बालू से घर बनाते और लोग उस रेत को विभिन्न कामों में प्रयोग में लाते।

aglasem.com

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर विस्तार में लिखिए।

Q6 नेहरू जी ने इस बात का हलका-सा संकेत दिया है कि दुनिया कैसे शुरू हुई होगी? उन्होंने क्यों बताया है? पाठ के आधार पर लिखो।

Answer. नेहरू जी ने बताया है कि यह पृथ्वी जो है वह कई करोड़ों वर्ष पुरानी है। यह पृथ्वी पहले बहुत गरम हुआ करती थी। इस पर कोई चीज़ जिसमें जान हो जी ही नहीं सकती थी। पहले यहाँ न कोई मनुष्य था, और न ही कोई जीव-जंतु या जानवर थे। करोड़ों वर्षों बाद जब धरती ठंडी हुई फिर धीरे-धीरे इस पर वनस्पतियाँ और पौधे पैदा होने लगे। फिर छोटे-छोटे जीव-जंतु पैदा हुए और फिर अंततः मनुष्य पैदा हुए। इस तरह दुनिया की शुरुआत हुई।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अपने आधार पर लिखिए।

Q1 लगभग हर जगह दुनिया की शुरुआत को समझाती हुई कहानियाँ प्रचलित हैं। तुम्हारे यहाँ कौन-सी कहानी प्रचलित है?

Answer. हम अपने गांव में रहते थे तब वहाँ ऐसी बात सुनने को मिलता था कि ये पृथ्वी भगवान ने ही बनाया है और सब कुछ भगवान ही करते करवाते हैं। सबसे पहले भगवान ने एक जोड़ा मनुष्य का भेज धरती पर फिर उसके बाद वही जोड़ा आगे की संतान पैदा की। आज हम जो भी हैं उन्ही के बच्चे हैं।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अपने आधार पर लिखिए।

Q2तुम्हारी पसंदीदा किताब कौन सी है और क्यों?

Answer. मेरी पसंदीदा किताब 'सत्य के साथ प्रयोग' है। इसके लेखक महात्मा गांधी हैं। इस ग्रंथ में नीति, धर्म, व्यवहार, कर्तव्य आदि के बारे में बताया तथा व्यवहारिक समस्याओं के बारे में बताया गया है की उनसे कैसे बचा जा सकता है।

Page No : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अपने आधार पर लिखिए।

Q3 मसूरी और इलाहाबाद भारत के किन प्रांतों के शहर हैं?

Answer. मसूरी उत्तराखंड प्रांत का और इलाहाबाद उत्तर प्रदेश प्रांत का शहर है।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अपने आधार पर लिखिए।

Q4 तुम जानते हो कि दो पत्थरों को रगड़कर आदि मानव ने आग की खोज की थी। उस युग में पत्थरों का और क्या-क्या उपयोग होता था?

aglasem.com

Answer. आदि मानव पत्थरों का उपयोग विभिन्न तरीकों से किया करते थे जैसे- जानवरों को पकड़ने के लिए हथियार में और मांस को काटने के लिए औज़ार के रूप में । कुछ काटने या खेती के औजार बनाने में भी इस्तेमाल किया जाता था।

Page : 91, Block Name : निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर अपने आधार पर लिखिए।

Q1 हर चीज के निर्माण की एक कहानी होती है, जैसे मकान के निर्माण की कहानी- कुर्सी, गद्दे, रचाई के निर्माण की कहानी हो सकती है। इसी तरह वायुयान, साइकिल अथवा अन्य किसी यंत्र के निर्माण की कहानी भी होती है। कल्पना करो यदि रसगुल्ला अपने निर्माण सुनाने लगे कि पहले दूध था, हुसैन दूध से छेना बनाया गया, उसे गोल आकार दिया गया। चीनी की चाशनी में डालकर पकाया गया। फिर उसका नाम पड़ा रसगुल्ला।

तुम भी किसी चीज के निर्माण की कहानी लिख सकते हो, इसके लिए तुम्हें अनुमान और कल्पना के साथ उस चीज के बारे में कुछ जानकारी भी एकत्रित करनी होगी।

Answer. बच्चे स्वयं करें।

Page : 91, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 'इस बीच वह दरिया में लुढ़कता रहा।' नीचे लिखी क्रियाएँ पढ़ो। इसमें और 'लुढ़कना' में तुम्हे कोई समानता नज़र नही आती है?

धकेलना
गिरना
खिसकना

इन चारों क्रियाओं का अंतर समझाने के लिए इनसे वाक्य बनाओ।

Answer. लुढ़कना- फुटबॉल सीढ़ियों से लुढ़कता हुआ नीचे आ गया।

धकेलना- राम ने ठेले को धकेलना शुरू किया।

गिरना- बच्चों के हाथ से कटोरा गिरना शुभ माना जाता है।

खिसकना- बस में एक दूसरे को बिठाने के लिए खिसकना पड़ता है।

Page : 92, Block Name : भाषा की बात

Q2 चमकीला रोड़ा- यहां रेखांकित विशेषण चमक संज्ञा में इला प्रत्यय जोड़ने पर बना है। लिखित शब्दों में यही प्रत्यय जोड़कर विशेषण बनाओ के साथ उपयुक्त संख्या लिखो-

aglasem.com

पत्थर, कांटा, रस, जहर

Answer.

1. पत्थर+ईला= पथरीला रोड
2. कांटा+ईला = कँटीला जु जंगल
3. रस+ ईला = रसीला सेव
4. ज़हर+ईला = जहरीला बिच्छू

Page : 92, Block Name : भाषा की बात

Q3 'जब तुम मेरे साथ रहती हो, तो अक्सर मुझसे बहुत सी बातें पूछा करती हो।'

यह वाक्य दो वाक्य को मिलाकर बना है। इन दोनों वाक्य को जोड़ने का काम जब- तो(तब) कर रहे हैं, इसलिए इन्हें योजक कहते हैं। योजक के रूप में कभी कोई बदलाव नहीं आता, अव्यय का एक प्रकार होते हैं।नीचे वाक्यों को जोड़ने वाले कुछ और अव्यय दिए गए हैं। उन्हें रिक्त स्थानों में लिखो। इन शब्दों से तुम भी एक एक वाक्य बनाओ-

क) कृष्णन फिल्म देखना चाहता है..... मैं मेले में जाना चाहती हूं।
ख) मुनिया ने सपना देखा..... वह चंद्रमा पर बैठी है।
ग) छुट्टियों में हम सब..... दुर्गापुर जाएंगे..... जालंधर।
घ) सब्जी कटवा कर रखना..... घर आते ही मैं खाना बना लूं।
ङ)..... मुझे ताकि शमीना बुरा मान जाएगी..... मैं यह बात ना कहती।
च) इस वर्ष फसल अच्छी नहीं हुई है..... अनाज महंगा है।
छ) विमल जर्मन सीख रहा है..... फ्रेंच।

बल्कि/ इसलिए/ परंतु/ कि/ यदि/ तो/ नकि/ या/ ताकि

Answer.
क) परंतु
ख) की
ग) यदि, तो
घ) ताकि
ङ) यदि, तो
च) इसलिए
छ) नकि

Page : 92, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com

aglasem.com